खास खबरें

काबुल से बचाकर भारत लाए गए अफगान सांसद, भावुक हो बोले- 20 साल में जो हुआ था, अब सब खत्म हो गया

गाजियाबाद । अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भारतीय वायुसेना ने अपने लोगों को काबुल से निकालना जारी रखा है। इसके साथ ही अफगानिस्तान में रह रहे अल्पसंख्यकों को भी निकालने का काम किया जा रहा है। रविवार को ही वायुसेना का सी-17 विमान काबुल से गाज़ियाबाद के हिंडन एयरबेस पर उतरा। विमान में 168 लोग सवार थे, जिसमें 107 भारतीय नागरिक हैं। जिन लोगों को रेस्क्यू किया गया, उनमें अफगानिस्तान के एक सिख सांसद के साथ कुछ और नेता भी शामिल हैं। अफगानिस्तान से सुरक्षित भारत पहुंचने के बाद अफगान सिख सांसद नरेंद्र सिंह खालसा कैमरे के सामने आते ही भावुक हो गए, जब उनसे पूछा गया कि एक सांसद के तौर पर अपने मुल्क को छोड़ना कितने दर्द की बात होती है, तो उन्होंने कहा मुझे इस पर रोना आता है। उन्होंने अपने आंसू पोछते हुए कहा, जिस अफगानिस्तान में हम पीढ़ियों से रह रहे थे। इस तरह के हालात जो हमने कभी नहीं देखे वो अब देख रहे हैं। सबकुछ खत्म हो गया है। 20 साल जो सरकार बनी थी, सब खत्म हो गया, सब जीरो है। नरेंद्र सिंह खालसा ने इसी के साथ प्रधानमंत्री और भारत सरकार का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने गुहार लगाई कि भारतीय वायुसेना अफगानिस्तान में फंसे बाकी सिखों को भी बचाए। उन्होंने बताया कि अभी एक गुरुद्वारे में करीब 280 सिख फंसे हैं, जो मदद का इंतजार कर रहे हैं।

65 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी, नग्न अवस्था में मिला शव, दुष्कर्म की आशंका

अमरोहा । अमरोहा जिले में अपने मायके में रह रही एक महिला की गला दबाकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। वह शनिवार देर रात कूड़ा फेंकने के लिए जंगल में गई थी। इसके बाद रविवार सुबह उसका शव प्राथमिक विद्यालय के पीछे गन्ने के खेत में नग्न अवस्था में पड़ा हुआ मिला। घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने सबूत जुटाए। सूचना मिलते ही एसपी और एएसपी ने भी मौका मुआयना। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के नग्न अवस्था में मिलने के कारण दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। यह घटना डिडौली कोतवाली क्षेत्र के बरखेड़ा राजपूत की है। यहां रहने वाली कमला (65) की शादी रामपुर जनपद में सैदनगर थानाक्षेत्र के कल्लू वाली मढैया निवासी रामवीर के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही उसके पति रामवीर की मृत्यु हो गई थी।

लॉकडाउन के विरुद्ध प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों गिरफ्तार, सात पुलिस अधिकारी घायल

सिडनी

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन का विरोध कर रहे सैकड़ों लोगों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें से कई पर स्वास्थ्य आदेशों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ प्रदर्शनों में झड़प होने के चलते कम से कम सात पुलिस अधिकारियों का चोटें भी आईं। अधिकारियों ने कई लोगों पर मिर्च का छिड़काव भी किया।

ये प्रदर्शन देशभर के कई शहरों में हुए। सबसे बड़ा और हिंसक प्रदर्शन मेलबोर्न में हुआ। सिडनी में दो महीने से लॉकडाउन लगा हुआ है जबकि मेलबोर्न और राजधानी कैनबरा में इस माह की शुरुआत में लॉकडाउन लगाया गया। लॉकडाउन के नियमों के तहत लोग अपने घरों में कैद हैं और उनकी गतिविधियों में कई तरह की पाबंदियां लग गई हैं।

पाबंदियों के बावजूद सिडनी के न्यू साउथ वेल्स राज्य में शनिवार को एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक 825 नए मामले सामने आए। कई शहरों में अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के मामले आ रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लॉकडाउन खत्म होना चाहिए लेकिन प्राधिकारियों का कहना है कि वायरस को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए यह आवश्यक है।

देश भर में कई जगह रैलियां, गिरफ्तारियां

मेलबोर्न में करीब 4,000 लोगों ने रैली निकाली और प्रदर्शन किया। विक्टोरिया राज्य पुलिस ने 218 लोगों को गिरफ्तार किया और 200 से अधिक जुर्माना लगाया। विक्टोरिया के छह पुलिस अधिकारी अस्पताल में भर्ती है और पुलिस पर कथित तौर पर हमला करने के लिए तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। न्यू साउथ वेल्स राज्य में पुलिस ने बताया कि उन्होंने राज्य भर में प्रदर्शन के संबंध में 47 लोगों को गिरफ्तार किया और 260 से अधिक पर जुर्माना लगाया। ब्रिसबेन शहर में लॉकडाउन के खिलाफ 2,000 से अधिक लोग एकत्रित हुए। हालांकि क्वींसलैंड राज्य पुलिस ने बताया कि उन्होंने किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया है।

ग्वादर आत्मघाती हमले से भड़का चीन, पाक को दी सख्त चेतावनी

बीजिंग

बलूचिस्तान प्रांत में चीनी नागरिकों के काफिले पर हुए आत्मघाती हमले के बाद चीन भड़क गया है। उसने शनिवार को पाकिस्तान से प्रभावी कदम उठाने और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहे उसके नागरिकों पर हमले रोकने के लिए सुरक्षा तंत्र में बदलाव करने को कहा है। ग्वादर क्षेत्र में हुए इस हमले के दौरान पास में खेल रहे दो बच्चों की मौत हो गई जबकि एक चीनी नागरिक घायल हो गया। बता दें कि इससे दो सप्ताह पहले दासू बांध की तरफ जा रहे चीनी इंजीनियरों की एक बस में हमला किया गया था जिसमें चीन के 9 इंजीनियर मारे गए और 21 लोग घायल हो गए थे। वर्तमान घटना शुक्रवार देर रात बलूचिस्तान विधानसभा और उच्च न्यायालय के पास क्वेटा के हली रोड चौराहे पर एक मोटरसाइकल बम धमाके के साथ हुई। चीन ने इस धमाके की कड़ी निंदा की है। पाक स्थित चीनी दूतावास ने आपात योजना शुरू करते हुए अपराधियों के खिलाफ गहन जांच और कार्रवाई करने की मांग की है। चीन ने पाकिस्तान को फटकार लगाते हुए कहा है कि उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए पाक सरकार कड़ी व्यवस्था करे। चीन ने चेताया कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। हमले में चीनी नागरिकों के काफिले में चार वाहन शामिल थे।

सीपीईसी का विरोध जारी : पाकिस्तान में चीन-पाक आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के लिए चीन ग्वादर बंदरगाह पर अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। वह इसे एक व्यापारिक हब के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है जो चीनी बेल्ट एंड रोड का हिस्सा है। जबकि इस परियोजना का बलूचिस्तान में घोर विरोध हो रहा है। बलूच कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में बिजली-पानी की कमी को लेकर प्रदर्शन किए और इन हालात के लिए चीन को दोषी ठहराया।

इजराइल ने गाज़ा पर की बमबारी, हमास शासकों के हथियार डिपो को बनाया निशाना

हमास।

इजराइल की सेना ने गाज़ा पट्टी के हमास शासकों के हथियार डिपो पर रविवार तड़के बमबारी की है। इससे पहले सीमा पर लगी बाड़ में हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान दोनों तरफ से कुल 25 लोग जख्मी हुए थे।

दरअसल, गाज़ा के हमास शासकों ने इज़राइल और मिस्र की नाकेबंदी के खिलाफ ध्यान आकर्षित करने के लिए शनिवार को प्रदर्शन किया था, जिसमें सैड़कों लोगों ने हिस्सा लिया और इसमें इसी दौरान हिंसा भड़क गई। हजारों लोग सीमा पर लगी बाड़ों के पास पहुंच गए और उन्होंने जलते टायरों के काले धुएं के पीछे से इज़राइली सैनिकों की ओर पत्थर और विस्फोटक फेंके। गाज़ा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इज़राइली सैनिकों की ओर से की गई गोलीबारी में एक 13 साल के लड़के समेत कम से कम 24 फलस्तीनी जख्मी हुए हैं। उसके अलावा, इज़राइल के एक सीमा पुलिस अधिकारी को गोली लगी है और गंभीर रूप से जख्मी बताए जा रहे हैं। इज़राइल की सेना ने एक बयान में कहा कि हिंसक प्रदर्शनों की प्रतिक्रिया में लड़ाकू विमानों ने गाज़ा को निशाना बनाया। हमास शासकों के हथियार रखने और बनाने के डिपो पर बमबारी की है और फलस्तीनी एन्क्लेव के पास क्षेत्र में सेना ने अतिरिक्त सैनिक तैनात कर दिए हैं। हवाई हमलों में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। गाज़ा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मई में गाज़ा और इज़राइल के बीच चली 11 दिन की जंग में उसके क्षेत्र में 254 लोगों की मौत हुई थी जिनमें से 67 बच्चे और 39 महिलाएं थीं। आपको बता दें कि इजराइल में 12 वर्षों के लंबे शासन काल के बाद प्रधानमंत्री पद पर काबिज बेंजामिन नेतन्याहू का कार्यकाल खत्म हो गया। उनकी जगह पर दक्षिणपंथी यामिना पार्टी के 49 वर्षीय नेफ्ताली बेनेट को मुल्क की बागडोर सौंपी की गई है।

टला संकटः पृथ्वी के करीब से गुजरा खतरनाक क्षुद्रग्रह, नासा ने 2016 एजे193 से बताया था खतरा

नई दिल्ली

मध्य आकार का एक खतरनाक क्षुद्रग्रह 21 अगस्त को पृथ्वी के बहुत करीब से गुजरा। भारतीय समय के मुताबिक रात करीब आठ बजकर 40 मिनट पर 94 हजार किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से 1.4 किमी व्यास का क्षुद्रग्रह 2016 एजे193 पृथ्वी के करीब 34 लाख 27 हजार 445 किलोमीटर पास से गुजरा। इसके आकार और पृथ्वी के करीब से गुजरने के लिहाज से नासा ने इसे संभावित खतरा घोषित किया था। नासा ने इसे अपोलो श्रेणी के क्षुद्रग्रह (एपीओ) के तौर पर वर्गीकृत किया है। इस दायरे में उन पिंडों को रखा जाता है, जिनकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा से टकराती है। अब तक कुल 11 लाख आठ हजार 846 क्षुद्रग्रह पहचाने गए हैं, जिनमें से 14 हजार 570 अपोलो श्रेणी में आते हैं। 2016 एजे193 करीब 2,160 दिन (5.91 वर्ष) में सूर्य की परिक्रमा पूरी करते हुए सूर्य के 0.60 एयू (एस्ट्रोनॉमिकल यूनिट) पास व 5.93 एयू दूर तक पहुंचता है।

99 फीसदी क्षुद्रग्रहों से बड़ा : यह पृथ्वी की कक्षा के करीब मौजूद 99 फीसदी क्षुद्रग्रहों से बड़ा है। इसे पहली बार जनवरी 2016 में पैनोरमिक सर्वे टेलीस्कोप एंड रैपिड रिस्पांस सिस्टम (पैन-स्टारआरएस) के जरिये हवाई के हलीकाला में स्थित वेधशाला से पहचाना गया था।

अब 65 साल बाद आएगा धरती के करीब : नासा की जेट प्रोपल्सन लैबोरेट्री के सोलर सिस्टम डायनेमिक्स अध्ययन के मुताबिक अब करीब 65 वर्ष बाद यानी 19 अगस्त, 2080 को यह धरती के करीब 69 लाख 99 हजार 373 किमी करीब से गुजरेगा।

खलील हक्कानी को पकड़ना तो दूर, छू भी न सकी विश्व की सबसे शक्तिशाली सेना

काबुल

अमेरिका का मोस्ट वांटेड आतंकी खलील हक्कानी अमेरिकी सेना से महज 8 किलोमीटर दूर काबुल में खुलेआम नारेबाजी करवाता रहा। विश्व की शक्तिशाली सेना के काबुल हवाई अड्डे पर बेबसी से खड़े रहे। हानी नेटवर्क से जुड़े खलील के सिर पर अमेरिका ने 10 साल से 37.15 करोड़ का इनाम घोषित कर रखा है।

खलील हक्कानी को पकड़ना तो दूर, छू भी न सकी विश्व की सबसे शक्तिशाली सेना : खलील ने काबुल की सबसे बड़ी मस्जिद के इमाम से धार्मिक वार्तालाप किया। इसके बाद लोगों के बीच आया और काबुल की सड़कों पर नारा-ए-तकबीर लगाते हुए लोगों को भी ऐसा करने के लिए उकसाता दिखा। बताया जा रहा है कि उसने काबुल में जिहादी मुजाहिद्दीन नेता गुलबुद्दीन हिकमतयार से भी मुलाकात की। खलील को अमेरिका ने 9 फरवरी 2011 में एक आदेश निकाल कर बाकायदा विशेष दर्जे का वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था।

मोस्ट वांटेड आतंकी काबुल में घूम रहा खुलेआम

अमेरिका के सैनिकों के काबुल में होने पर भी खलील के खुलेआम घूमने के बावजूद उसे गिरफ्तार करने को अमेरिकी सेना की बेबसी के एक नए उदाहरण की तरह देखा जा रहा है।

हेलमेट, नाइट विजन से लैस विशेष साथ

घटना के समय खलील के साथ विशेष तालिबानी दस्ते के वर्दीधारी सैनिक भी थे। एक वीडियो में ये सैनिक हेलमेट, नाइट विजन चश्मे और पेशेवर सैनिकों के सामान पहने हुए दिख रहे थे। खुद खलील अमेरिका में बनी एसॉल्ट राइफल लेकर चल रहा है। सैनिक भीड़ को हटा उसके लिए रास्ता बना रहे हैं। खलील ने कहा कि सुरक्षा तालिबानियों की प्राथमिकता है, सुरक्षा नहीं होगी तो जीवन नहीं होगा। वे ही देश को सुरक्षा देंगे। इसके बाद अर्थव्यवस्था, कारोबार और शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। कोई भेदभाव नहीं होगा। पत्रकारों और महिलाओं को डरने की कोई जरूरत नहीं है।

अलकायदा के लिए भी कर चुका है काम

खलील कई नामों से जाना जाता है। उसका जन्म 1 जनवरी 1966 को हुआ था। अमेरिका द्वारा इंसाफ के लिए इनाम नामक मिशन के तहत उसे वैश्विक आतंकी घोषित कर 50 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा गया। संयुक्त राष्ट्र ने भी उसे वैश्विक आतंकी घोषित किया है।

दर्शन के लिए सिख श्रद्धालु अब जा सकेंगे करतारपुर गुरुद्वारा, पाकिस्तान ने कोरोना लहर के बीच दी मंजूरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने सिख तीर्थयात्रियों को गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर जाने की अनुमति देने का फैसला किया है। ये निर्णय ऐसे समय पर लिया है, जब पड़ोसी मुल्क कोरोना वायरस की चौथी लहर से जूझ रहा है और इसे रोकने के लिए कदम उठा रहा है। करतारपुर गुरुद्वारा को फिर से श्रद्धालुओं के लिए खोलने का फैसला पाकिस्तान के 'नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर' ने शनिवार को लिया। ये फैसला 22 सितंबर को सिख धर्म के संस्थापक बाबा गुरु नानक देव की पुण्यतिथि के मद्देनजर लिया गया है। बैठक में सर्वसम्मति से सिख तीर्थयात्रियों को कोरोना प्रोटोकॉल के तहत अगले महीने करतारपुर जाने की अनुमति देने का फैसला किया गया। बता दें कि कोरोना के डेल्टा वेरिएंट की वजह से पाकिस्तान ने भारत को 22 मई से 12 अगस्त तक कैटेगरी सी में रखा हुआ था। इस दौरान भारत से पाकिस्तान जाने वाले लोगों को विशेष अनुमति की जरूरत पड़ती थी।

वायुसेना ने अफगान महिला को बेटी और नातियों के साथ किया रेस्क्यू, बोलीं- तालिबान ने घर जलाया, मदद के लिए भारत आया

गाजियाबाद

अफगानिस्तान से 168 लोगों को लेकर वायुसेना का विमान रविवार सुबह हिंडन एयरबेस पहुंचा। इसमें 107 भारतीय और बाकी अफगानिस्तान के नागरिक थे। काबुल से लौटी एक महिला ने बताया- अफगानिस्तान में हालात लगातार खराब हो रहे थे। इसलिए मैं अपनी बेटी और नाती-नातिन के साथ भारत आ गई। हमारे हिंदुस्तानी भाई और बहन हमारे बचाव के लिए आगे आए। उन्होंने (तालिबान) ने मेरा घर जला दिया था। मैं मदद के लिए भारत का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।

हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर अफगानिस्तान से निकाले गए लोगों का कोरोना आरटी-पीसीआर टेस्ट होगा। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने ऐलान किया कि अफगानिस्तान से आने वाले लोगों को मुफ्त पोलियो वैक्सीन दी जाएगी। इसी के साथ उन्होंने दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जारी एक टीकाकरण कार्यक्रम की तस्वीर भी साझा की।

इस बीच हिंडन एयरबेस पहुंचे अफगानिस्तान के एक और नागरिक ने कहा, मैं अफगान नागरिक हूं, जबकि मेरी पत्नी भारतीय हैं। मैं भारत सरकार और विदेश मंत्रालय का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने बहुत मेहनत कर के हमें उस दलदल से निकाला। वहां हालात बेहद खराब हैं। एक अन्य अफगान नागरिक वदूत शेरजाद ने बातचीत के दौरान बताया कि हमें काफी मुश्किल का सामना करना पड़ा। हम 24 घंटे तक एयरपोर्ट में ही फंसे रहे। मैं अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास के साथ काम करता हूं। हम सब ही एक हफ्ते से घर में फंसे थे और बाहर निकलने का कोई मौका नहीं था।

आपका राशिफल 23 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-4-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। स्वार्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुल आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): तथ्यमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की योजनाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग दौड़ रहेगी। शुभांक 4 6 8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक 5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार चिंता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की योजनाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक 3 5 7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक 2 4 6

स्पेशल खबर | *यूनिसेफ द्वारा बच्चों पर केंद्रित क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स (सीसीआरआई) भी जारी .....*

यूनिसेफ रिपोर्ट : भारत सहित दुनिया के एक अरब बच्चों पर जलवायु परिवर्तन का गंभीर खतरा

नई दिल्ली

भारत सहित दुनिया के 1 अरब से ज्यादा बच्चों पर जलवायु परिवर्तन का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। यूनिसेफ की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन चार दक्षिण एशियाई देशों में शामिल है, जहां बच्चों को उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सबसे अधिक खतरा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, और अफगानिस्तान पर जलवायु परिवर्तन का संकट सबसे अधिक है।

यूनिसेफ द्वारा बच्चों पर केंद्रित क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स (सीसीआरआई) भी जारी किया गया है, जिसमें भारत सहित इन देशों को जलवायु परिवर्तन के मामले में सबसे ज्यादा जोखिम (बाढ़, वायु प्रदूषण, चक्रवात, लू) वाले देशों में शामिल किया गया है, जहां जलवायु परिवर्तन कई तरह से बच्चों के वर्तमान और भविष्य पर असर डाल रहा है। इस सूची में जहां भारत का स्थान 26वां है, वहीं पाकिस्तान 14वें, बांग्लादेश 15वें और अफगानिस्तान 25वें स्थान पर है।

रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में लगभग हर बच्चा किसी न किसी जलवायु और पर्यावरण से जुड़े खतरे का सामना करने को मजबूर है। वहीं, कई देशों में तो बच्चे एक साथ कई खतरों का सामना कर रहे हैं। यह उनके जीवन और विकास के लिए गंभीर खतरा है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के करीब आधे बच्चे जिनकी संख्या 1 अरब से ज्यादा है। वे जलवायु परिवर्तन के उच्च जोखिम वाले 33 देशों में रहते हैं। इन बच्चों को साफ पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल जैसी जरूरी सेवाएं भी पर्याप्त नहीं मिल पातीं। वहीं, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़े खतरे उनके जीवन को और जोखिम भरा बना रहे हैं। ऐसे में अनुमान है कि जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ेगा वैसे-वैसे उन पर जोखिम और बढ़ता जाएगा। रिपोर्ट में आए गंभीर आंकड़ों के मुताबिक आने वाले समय में भारत में 60 करोड़ से अधिक बच्चे गंभीर जल संकट से जूझने को मजबूर होंगे। वहीं, वैश्विक तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी के साथ ही भारत के अधिकांश शहरों में अचानक बाढ़ आने की घटनाएं बढ़ेंगी। वायु प्रदूषण के वर्ष 2020 के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के प्रदूषित वायु वाले 30 बड़े शहरों में 21 भारत के शहर हैं।

क्या है क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स

क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स में बच्चों पर जलवायु और पर्यावरण संबंधी खतरों के जोखिम, उनसे बचाव और आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुंच के आधार पर देशों को क्रमबद्ध किया गया है, जिसमें ज्यादा अंक का मतलब अत्यंत गंभीर खतरा और कम अंक का मतलब कम खतरे के रूप में दर्शाया गया है। जलवायु परिवर्तन बाल अधिकारों का संकट है। चिल्ड्रेन्स क्लाइमेट चेंज इंडेक्स डेटा ने संकेत दिया है कि बच्चों को गंभीर अभावों का सामना करना पड़ रहा है। इससे प्राथमिकताएं तय करने में मदद मिलेगी।